

22 9  
22

पञ्चावली में ही ५।११ गण को आवाक लगाई  
गई। बार-बार आवाक लाने के बावजूद

की का पुर्निका नामालका के हरि वही हने  
ए आकेडन मयरा को अक एमरी अक  
पेवकी म वकारिक मिक माल के पनापकी  
फैसल मुकर होकर बपबर से काम होकर  
दासिल कसुन वे

उपखण्ड अधिकारी, दांतारामगढ़